चींटा मोची

एक था चींटा। उसने दो जूते बनाये और उन्हें बेचने निकला। उसे एक बंदर दिखा। चींटे ने आवाज़ दी—बंदर मामा, बंदर मामा, ज़रा रुको तो सही। वह दौड़कर बंदर के पास पहुँचा और बोला—बंदर मामा, बंदर मामा, मेरे जूते ले लो।

बंदर ने जूते देखे, फिर चींटे की ओर देखा। उसे ऊपर से नीचे तक घूरा और बोला—ये तो बहुत छोटे हैं। इन्हें खरगोश को दे दो।

चींटा दौड़ा—दौड़ा खरगोश के घर गया। खरगोश ने कहा—ले लेता, पर ये तो दो ही हैं! मेरे तो चार पैर हैं।

चींटा घर लौट आया। उसने रात भर में दो जूते और बनाये। दूसरे दिन वह चार जूते लेकर खरगोश के घर गया। खरगोश ने बहुत कोशिश की, लेकिन जूते उसके पाँव में घुसे ही नहीं। वे बहुत ही छोटे थे। खरगोश बोला—ये तो बहुत ही छोटे हैं। ये तो शायद चींटी ही ले सके।

चींटे ने सोचा मेरे **6** पैर हैं। तो चींटी के भी **6** पैर होंगे। मुझे उसके लिए **2** और बनाने होंगे। पर पहले उसका नाप तो ले लूं।

चींटा गया चींटी के पास। बोला चींटी रानी, चींटी रानी, मैंने तुम्हारे लिये जूते बनाये हैं। मेरे जूते ले लो।

चींटी ने जूते पहनकर देखे और बोली—ये जूते तो बहुत नरम हैं। मैं इन्हें पहनकर मिट्टी में चलूँगी तो ये फट जायेंगे। ये तो मकड़ी के लिये अच्छे रहेंगे।

बेचारा थका—माँदा चींटा पहुँचा मकड़ी के घर। पर वो घर के दरवाज़े पर ही रूक गया—अंदर ज़ाता तो जाल में फंस ज़ाता। मकड़ी बाहर आई तो चींटे को देखकर बोली—क्या बात है? तुम बहुत परेशान दिख रहे हो।

चींटे ने कहा—सच, मैं बहुत परेशान हो गया हूँ। कोई भी मेरे जूते नहीं लेता। कोई कुछ कहता है तो कोई कुछ।

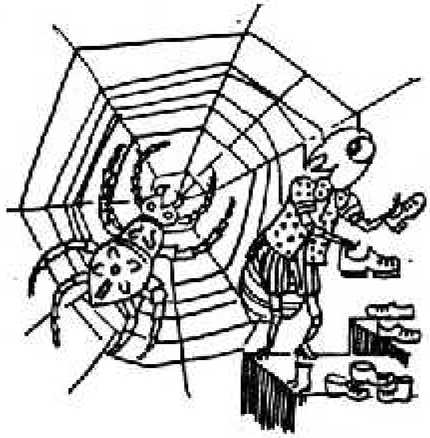

मकड़ी को चींटे पर दया आ गई। बोली—मैं तुम्हें जूते खरीदने वाला ऐसा ग्राहक बताती हूँ जो रोज़ दो जूते ले लेगा।

चींटा बहुत खुश हुआ। बोला—कौन, ऐसा होगा? जल्दी बताओ ऐसा कौन होगा?

मकड़ी बोली—गिंजाई!

वो तुम्हारे सारे जूते ले लेगी। उसके खूब सारे पैर होते हैं।

बस, फिर क्या था। चींटा रोज़ दो—दो जूते बनाता और गिंजाई को दे आता।

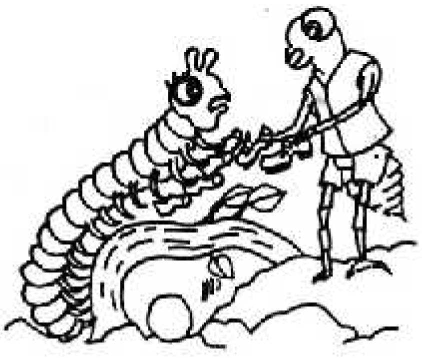

● कहानी को अपने शब्दों में एक दूसरे को सुनाओ।

अभ्यास

● तालिका भरो

नाम	पैर
चिड़ियाँ	2
खरगोश	
चींटी	
मकड़ी	

चींटा किस-किस के पास गया?

● किस क्रम मे? इनमें से चुनो।

चिड़िया, चींटी, खरगोश, बंदर

मकडी, खरगोश, चींटी, बंदर

बंदर, खरगोश, चींटी, मकड़ी

● खरगोश जितने पैर किस-किस जानवर के होते हैं?

● चींटी जितने पैर किस-किस के होते हैं?

● चींटा हर रात दो जूते बनाता है। उसके बनाये जूतों की संख्या।

एक रात में 2 x 1	दो रात में 2 x 2	तीन रात में 2 x 3	चार रात में 2 x 4	पाँच रात में 2 x 5	छह रात में 2 x 6	सात रात में 2 x 7	आठ रात में 2 x 8	नौ रात में 2 x 9	दस रात 2 x 10
2		6			12		16	18	20

एक खरगोश को 4 जूते चाहिए। 2 से 10 खरगोशों की जूतों की संख्या

1 खरगोश 4 x 1	2 खरगोश 4 x 2	3 खरगोश 4 x 3	4 खरगोश 4 x 4	5 खरगोश 4 x 5	6 खरगोश 4 x 6	7 खरगोश 4 x 7	8 खरगोश 4 x 8	9 खरगोश 4 x 9	10 खरगोश 4 x 10
4									

एक - आधा - पाव

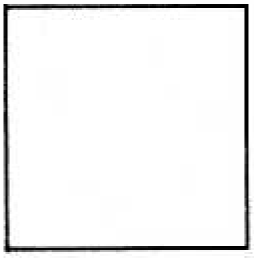
1

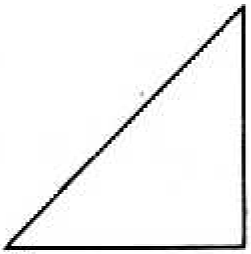
2

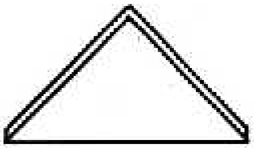
3

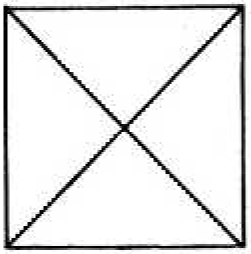
4

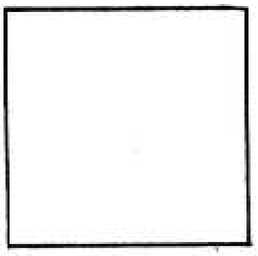
5

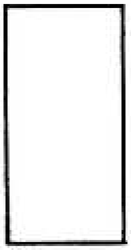
6

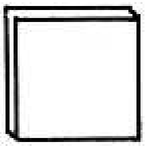
7

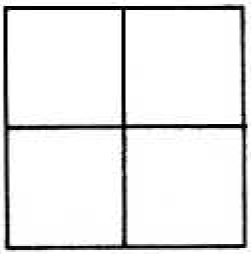

- एक जैसे दो कागज़ लो। एक को बीच से मोड़ कर दोहरा करो। जैसे चित्र   में है।
- इस तिकोन के आकार में मुड़े कागज़ को एक बार फिर मोड़ो। (चित्र 3)
- अब पूरे कागज़ को खोल लो। लाइन की जगह से कागज़ को फाड़कर अलग करो। कितने भाग हुए, गिनो।
- कागज़ के हर हिस्से को दूसरे कागज़ पर जमाकर देखो।
- एक और कागज़ लो (चित्र 5)। इसे चित्र 6 की तरह मोड़ो।
- इसे एक बार और मोड़ लो, चित्र 7 की तरह।
- कागज़ को खोलकर मुड़े हिस्से से फाड़ लो।
- इन टुकड़ों को एक अलग कागज़ पर जमाओ।
- एक पूरे कागज़ से कितने पाव हिस्से बने?
- आधे कागज़ से कितने पाव (चौथाई) हिस्से बने?
- आधा बड़ा है या पाव?

अंक खेल

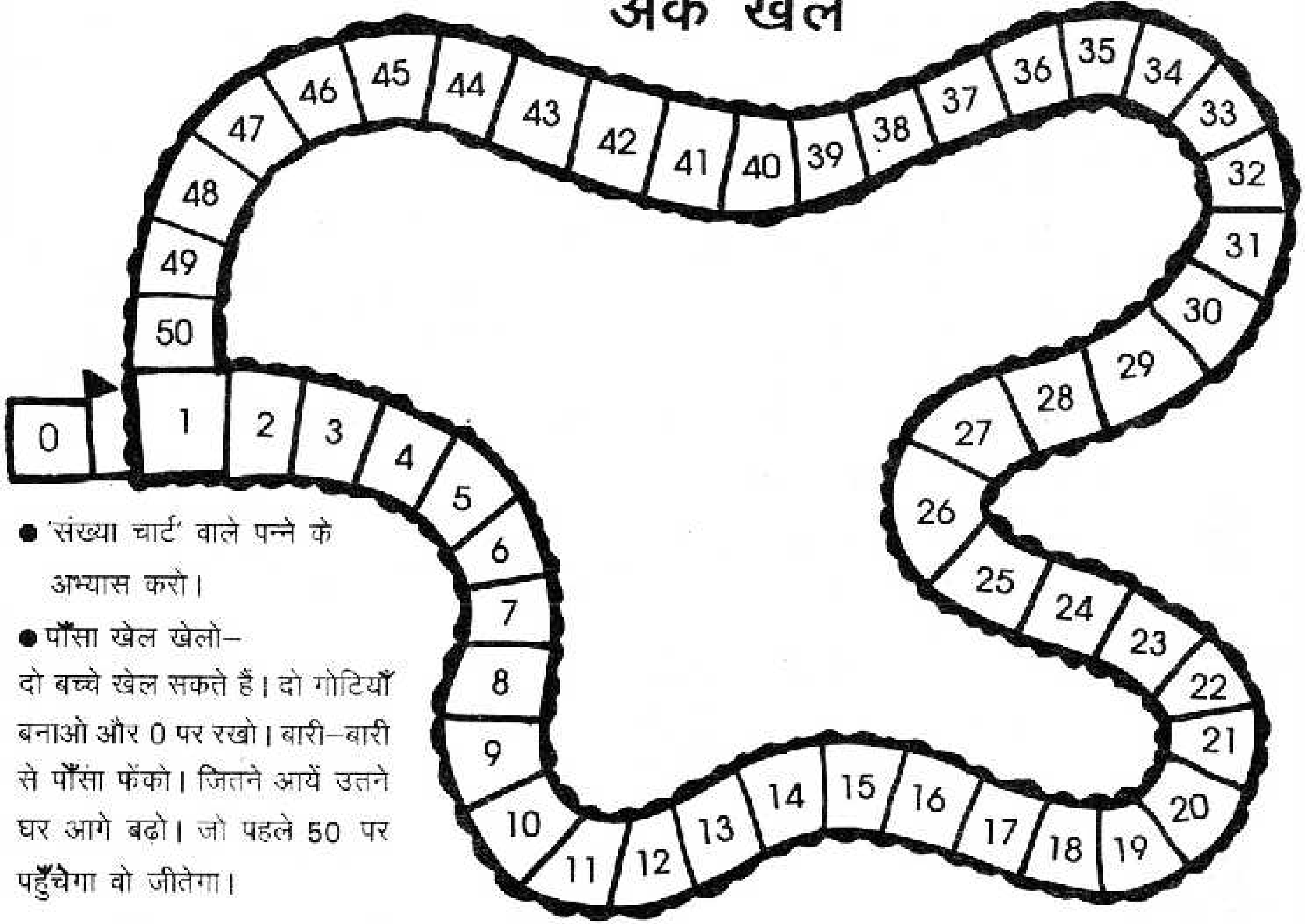

- 'संख्या चार्ट' वाले पन्ने के अभ्यास करो।
- पाँसा खेल खेलो–

दो बच्चे खेल सकते हैं। दो गोटियाँ बनाओ और 0 पर रखो। बारी–बारी से पाँसा फेंको। जितने आयें उतने घर आगे बढ़ो। जो पहले 50 पर पहुँचेगा वो जीतेगा।

क्या डूबा, क्या तैरा?

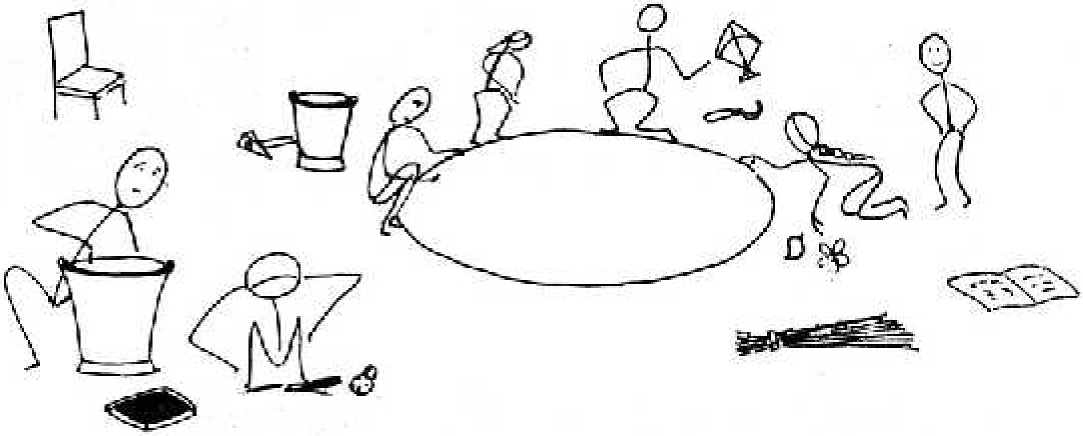

बाल्टी में आसपास की चीज़ों को डालकर देखो: क्या डूबा, क्या तैरा?

पानी पर तैरती है।

पत्ती

पानी में डूबती है।

ईंट

- चित्र कार्डों से छाँटो–कौन सी चीज़ें तैरेंगी और कौन सी डूबेंगी।

उड़न - छू

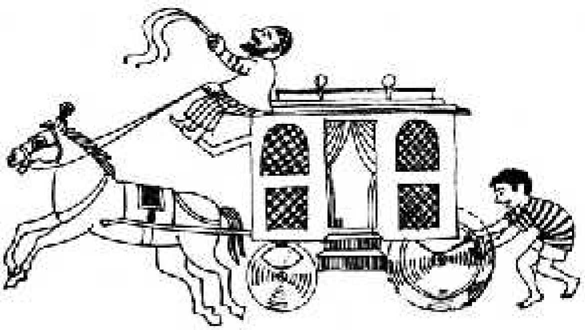

घड़, घड़, फट्टर, फट्टर। नयी-नयी आवाज़ निकाल रहा था तांगे का पहिया। मटरू मज़े से पहिये में छड़ी फसाए दौड़ता जा रहा था।

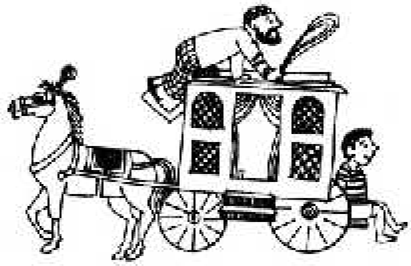

अचानक तांगा धीरे होना शूरू हुआ। और फिर तांगा रुक गया। मटरू उचक कर तांगे के पीछे बैठ गया।

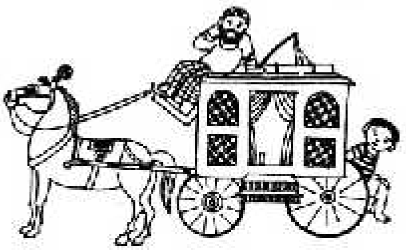

मटरू मज़े से बैठा था। तांगेवाला उसे देख तो सकता नहीं था। मटरू बैठा तांगे के चलने का इंतज़ार कर रहा था।

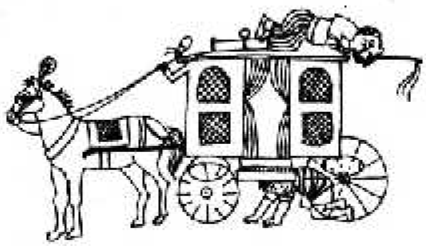

तभी उसे लगा मानो तांगे की छत पर चलकर कोई पीछे आ रहा है। मटरू झट से ताँगे के नीचे घुस गया।

धीरे–धीरे खिसकते–खिसकते वह तांगे के नीचे तक जा पहुँचा और चलाने वाले की जगह पर चढ़कर बैठ गया।

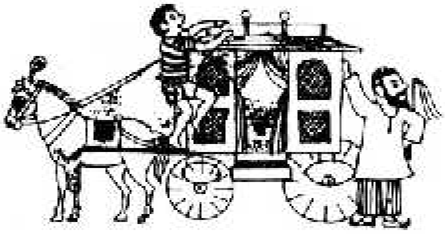

बैठते ही घोड़े की लगाम थामी और लगाई उसे एक चाबुक। तांगा हवा से बातें करने लगा। और तांगेवाले चाचा, वे तो अभी भी वहीं खड़े चिल्ला रहे हैं।

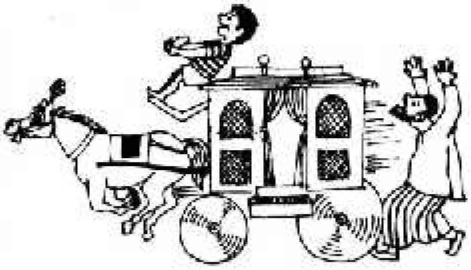

खिसक	आ	दौड़ना	दौड़ता
उचक	जा	भागना	भागता
सरक	खा	रुकना	रुकता
लपक	खड़ा	फिसलना	फिसलता

- तांगा क्यों रूक गया?
- तांगे वाले चाचा पीछे क्यों गए?
- मटरू तांगे के नीचे क्यों घुसा?
- तांगा चले जाने के बाद चाचा ने क्या किया होगा?
- मटरू तांगे का क्या करेगा।